अलंकार प्रथम वर्ष

(पखावज)

(पखावज के विद्यार्थी के लिये)

क्रियात्मक:

1) चौताल, धमार, सूलताल और तीव्रा इन तालों में विस्तृत एकल वादन करने का अभ्यास। (पानसे घराने की साथ परनें, विभिन्न गत-परनें, रेले बजाने की क्षमता अपेक्षित है।
2) उपर्युक्त सभी तालों में आड तथा बिआड लय में परनें।
3) उपर्युक्त पालों के ठेके दुगुन, तिगुन, तथा चौगुन में बजाना, एवं हाथ से ताली देकर पढंत करना।
4) उपर्युक्त तालों में से किसी एक ताल में एक-गज परन तथा एक गणेश परन पढंत करके बजाना।
5) कुदऊसिंह घराने की गत-परनें, चक्रदार परने तथा साथ परनें बजाने का अभ्यास।
6) उपर्युक्त तालों में दमदार तिहाईयाँ बजाना तथा किन्ही दो तालों में बेदम तिहाईयाँ (सम से सम) पढंत करना एवं बजाना।

अंकपत्रिका:

1) विस्तृत वादन-चौताल, धमार, तीव्रा, सूलताल	-	80 अंक
2) आड-बिआड लय में परन	-	20 अंक
3) दुगुन, तिगुन, चौगुन में हात से ताल देकर ठेके पढना एवम् बजाना।	-	20 अंक
4) गजपरन, एवम् गणेश परन	-	20 अंक
5) कुदाऊसिंग घराने की विभिन्न रचनायें	-	40 अंक
6) दमदार तथा बेदम तिहाईयाँ	-	20 अंक

कुल मौखिक - 200 अंक

मंच प्रदर्शन:

चौताल में एकल वादन 30 मिनिट	-	60 अंक
सूल अथवा तीव्रा ताल में वादन	-	40 अंक

कुल अंक - 100 अंक